| JL – 17/13 |
| --- |
| Hindi |
| Paper – I |

*Time : 3 hours*

*Full Marks : 200*

*The figures in the right-hand margin indicate marks.*

*Answer **all** questions.*

*Write the answers in **Devnagari Script**.*

1. आदिकालीन साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए । 40

अथवा

रीतिकाव्य की उन विशेषताओं तथा प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए जो उसे रीतिकाल की रीतिबद्ध तथा रीतिसिद्ध कविता से पृथक् करती है ।

2. हिन्दी कविता में छायावादी आंदोलन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए छायावादी काव्य की मुख्य प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए । 40

अथवा

प्रगतिशील आंदोलन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रदेय का आकलन कीजिए ।

3. ''सूरसागर का सबसे मर्मस्पर्शी और वाग्वैदग्धपूर्ण अंश भ्रमरगीत है ।'' इस कथन के आधार पर 'भ्रमरगीत' का मूल्यांकन कीजिए । 40

अथवा

घनानंद तथा बिहारी की विरह-भावना के स्वरूप का तुलनात्मक विवेचन कीजिए ।

4. 'गोदान' को किसान-जीवन की महागाथा क्यों कहा जाता है ? विचार कीजिए । 40

अथवा

स्कंदगुप्त के नायकत्त्व पर विचार कीजिए ।

5. रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-शैली की विशेषताएँ बताइए । 40

अथवा

'दूसरी परंपरा की खोज' की समीक्षा कीजिए ।